RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शुक्रवार 03 नवंबर 2023 | वर्ष 05 | अंक 192 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मनोज जरांगे ने खत्म किया अनशन !

सरकार को दो महीने का दिया समय...

मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे ने 9 दिन पुराना अनशन समाप्त कर दिया. उन्होंने सरकार से दो महीने के भीतर मराठा आरक्षण का मुद्दा सुलझाने को कहा है. महाराष्ट्र सरकार के मंत्रियों की तरफ से अनशन खत्म करने के लिए मनाने के बाद उन्होंने कहा कि जब तक सभी मराठों को आरक्षण नहीं मिल जाता, तब तक अपने घर में दाखिल नहीं होंगे.

जरांगे ने कहा कि अगर दो महीने में कोई निर्णय नहीं लिया गया तो मुंबई में मराठा आरक्षण आंदोलन का वो नेतृत्व करेंगे. गुरुवार (2 नवंबर) को महाराष्ट्र के चार मंत्रियों ने मनोज जरांगे से मुलाकात की. उनकी अपील पर जरांगे ने अपना अनशन खत्म करने का फैसला लिया. जालना में मनोज जरांगे ने लोगों को संबोधित किया. उन्होंने पूछा कि क्या सरकार को समय देना चाहिए तो इस पर वहां मौजूद जनता ने 'हां' में जवाब दिया. उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र भर के हमारे सब भाइयों को आरक्षण मिले, ये हमारी भूमिका है. इसलिए मैंने थोड़ा वक्त देने की सहमति दी है. इतने दिनो से हमने इंतजार किया है. थोड़ा और भी करते हैं. जब तक आरक्षण नहीं मिलेगा हम रुकने वाले नहीं हैं.''

जरांगे ने कहा, ''सरकार सीधे तौर पर सभी मराठों को कुनबी सर्टिफिकेट देने पर सहमत हुई है. मराठवाड़ा में 13 हजार कुनबी डिटेल्स मिली थी जिसके आधार पर आरक्षण देने की बात सरकार ने की थी, जिसे हमने नकार दिया और अब सरकार सीधे तौर पर आरक्षण देने की बात मानी है.'' गौरतलब है कि मराठा आरक्षण का आंदोलन महाराष्ट्र में हिंसक हो गया था. कई नेताओं के घरों और दलों के दफ्तरों में आग लगा दी गई थी. पूरे राज्य में करीब 12 करोड़ का नुकसान हुआ. 160 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी हुई थी.

दादर का प्राणी संग्रहालय से चोरी हुए जानवर

सभी जानवर चोरी हो जाने का आरोप

मुंबई : दादर स्थित शिवाजी पार्क मैदान के सामने बने निजी संग्रहालय से सभी विदेशी जानवर चोरी हो गए हैं। इस मामले में संग्रहालय की ओर से शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराया है। बता दे कि दो दिन पहले ही मनपा जी नॉर्थ वार्ड ने सोमवार को जिस प्राणी संग्रहालय हिस्सों में अवैध निर्माण पर कार्रवाई की थी। मरीन क्वा के नाम से चल रहे इस प्राणी संग्रहालय से पिछले दिनों एक मगरमच्छ का बच्चा मनपा के स्विमिंग पुल में मिला था। जिसको लेकर आरोप लगाया गया कि मगरमच्छ का बच्चा इसी प्राणी संग्रहालय से गया होगा। प्राणी संग्रहालय से दो दिन पूर्व सभी जानवर गायब हो जाने की शिकायत मिली जिसको लेकर संग्रहालय के मालिक ने बुधवार को शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। प्राणी संग्रहालय के मालिक युवराज मोघे ने आरोप लगाया कि मनपा द्वारा की गई कार्रवाई को अवैध बताया और आरोप लगाया कि ये कार्रवाई गलत तरीके से की गई।इस कार्रवाई में प्राणी संग्रहालय की सुरक्षा चौकी टूट गई, सीसीटीवी कैमरे और सिस्टम भी टूट गए। इससे पशु ग्रहालय को नुकसान पहुंचा उसका आरोप है कि कोई प्राणी संग्रहालय में आया और सभी जानवरों को चुरा लिया। मोघे ने बताया कि चोरी गए जानवरो में इग्वाना, ब्लू टंग स्कींकस, बॉल पायथॉन, अजगर के लगभग 6 प्रकार के अलग अलग प्रजाति के जानवर थे।

विरार में स्लैब गिरने से महिला की मौत !

विरार : विरार पुलिस स्टेशन अंतर्गत एक घर का स्लैब गिरने से एक 34 वर्षीय महिला की मौत होने की घटना सामने आई है। मामले में पुलिस ने सीआरपीसी कलम 174 के तहत केस दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार,शीतल शिवाजी पवार (34),मनवेल पाडा विरार पूर्व में रहती थी। 1 नवंबर को दादू प्लाजा,सी.एम.नगर,मनवेलपाडा विरार पूर्व स्थित मृतक (शीतल शिवाजी पवार) घर में सो रही थी, तभी घर के बैडरूम में छत का स्लैब उसके ऊपर गिर गया,आनन-फानन में उसे वसई विरार शहर महानगरपालिका जीवदानी देवी हॉस्पिटल उपचार के लिए ले जाया गया,जहां सुबह 7,25 बजे डॉक्टर उसे मृत घोषित कर दिया। विरार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। तथा शिकायतकर्ता (अमित सोलंकी) की शिकायत पर घटना में सीआरपीसी 174 के तहत दर्ज कर आगे की जांच कर रही है।

भिवंडी में 2 झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी : भिवंडी शहर महानगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग ने दो झोलाछाप डॉक्टरों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाया है। नारपोली पुलिस ने इस मामले में भादंवि की धारा 420, महाराष्ट्र प्रैक्टिसन एक्ट 1961 की धारा 33,36 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। किन्तु इस मामले में अभी दोनों डॉक्टरों की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

पुलिस के मुताबिक भिवंडी महानगर पालिका के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शमीम अंसारी ने नारपोली पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराया है कि रामनगर साठेनगर में रामजतन गजराज निषाद और गोपीनाथ वाडलकोंडा के पास किसी प्रकार की मेडिकल डिग्री ना होने के बावजूद दोनों क्लीनिक खोल कर नागरिकों का उपचार कर रहे है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दोनों के पास से 915 रुपए कीमत के एलोपैथिक औषधि व साहित्य बरामद किया है। पिछले कुछ माह पूर्व ऐसे एक झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के दरम्यान एक मरीज की मृत्यु हो गई थी। नारपोली पुलिस ने इस मामले में दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जिसकी आगे की जांच पुलिस उप निरीक्षक रणजीत बालके कर रहे है।

विदेश भेजने के नाम पर करोड़ों की ठगी !

पांच राज्यों से पांच आरोपी गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट 5 ने भारत के अलग-अलग राज्यों से पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी मजदूर वर्ग के लोगों को विदेश में नौकरी दिलाने के नाम पर उनसे ठगी किया करते थे। अब तक की जांच में पता चला है कि गिरफ्तार आरोपियों ने करीब 300 लोगों को ठग कर करोड़ों रुपये कमाए हैं। इस मामले में रामकृपाल कुशवाहा को भिवंडी से गिरफ्तार किया गया है।

इसके अलावा रोहित सिंह को मुंबई, आशीष कुमार माहतो को दिल्ली, अमितोष गुप्ता को लखनऊ और राहुल कुमार चौधरी को बिहार से गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजतिलक रौशन ने बताया कि हमारे पास एक शिकायत आई थी,जिसमें पीड़ित ने कहा था कि कुछ लोगों ने उसे अजरबैजान में नौकरी दिलाने के नाम पर फंसाया और उसे फर्जी वीजा भी दिया। इसके बाद पुलिस ने टफ्अ पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ क्ढउ की धारा 420, 465, 467, 468, 471, और 120(इ) और इंडियन इमिग्रेशन एक्ट की धारा 10, 24 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी देश के अलग-अलग इलाकों में हैं और वह एक-एक शख़्स से नौकरी दिलाने के नाम पर 40-60 हजार रुपए लेते थे। आरोपियों ने कई जगह कार्यालय भी भाड़े पर लेकर खोले थे, जहां पर वह लोगों को अजरबैजान, ओमान, दुबई, सऊदी अरब, कतर और रशिया में नौकरी दिलाने की बात कहते थे।

संपादकीय / लेख

फोन में सेंधमारी

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

बहुराष्ट्रीय कंपनी एप्पल ने विपक्ष के कुछ नेताओं को अलर्ट भेजा कि आपके आईफोन हैक किए जा सकते हैं। हमलावर आपके फोन के संवेदनशील डाटा, कैमरे और माइक्रोफोन आदि तक पहुंचने की कोशिश भी कर सकते हैं। एप्पल ने यह अलर्ट सिर्फ विपक्षी नेताओं को ही नहीं भेजा, बल्कि ऐसे लोगों तक भी भेजा है, जो सार्वजनिक जीवन में नहीं हैं। कुछ पत्रकारों और स्कॉलर्स तक भी यह अलर्ट पहुंचा है। यह अलर्ट 150 देशों में भी भेजा गया है, जहां एप्पल के आईफोन इस्तेमाल किए जाते हैं। साफ मायने हैं कि यह चेतावनी वैश्विक है, लिहाजा विपक्षी नेताओं की चीखा-चिल्ली महज सियासत है। एप्पल ने अपने बयान में यह स्पष्टीकरण भी दिया है कि खुफिया संकेतों के आधार पर ऐसे अलर्ट आते हैं, जो अधूरे और गलत भी साबित हो सकते हैं। कंपनी ने सरकार द्वारा प्रायोजित हमलावरों की बात तो की है, लेकिन किसी 'विशेष सरकार' का खुलासा नहीं किया है। एप्पल ने हैकिंग के ऐसे खतरों से निपटने वाले सिस्टम से इंकार किया है। कंपनी यह भी नहीं बता सकती कि अलर्ट किन हालात में देना पड़ा, क्योंकि यह जानकारी देने से हैकर्स उससे बचने के रास्ते खोज सकते हैं। यानी स्पष्ट है कि फोन हैकर्स चीन, पाकिस्तान या किसी अन्य देश के भी हो सकते हैं! एप्पल ने एक ही समय, एक ही साथ, विपक्षी नेताओं और 150 देशों को यह चेतावनी-संदेश भेजा है, लिहाजा संदेहास्पद और सवालिया लगता है। यदि हैकिंग हुई है या की जा रही है, तो वह अलग-अलग स्थान पर, अलग-अलग समय में की जानी चाहिए। फिर भी मान सकते हैं कि मोदी सरकार ने विपक्ष के कुछ नेताओं और प्रवक्ताओं के फोन हैक कराए हैं, लेकिन 150 देशों और अराजनीतिक चेहरों के फोन हैक कराने में सरकार के सरोकार क्या हो सकते हैं?

उनसे हासिल क्या होगा? भारत में 2 करोड़ से अधिक लोग आईफोन का इस्तेमाल करते हैं और दुनिया भर में करीब 146 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। क्या ये सभी मोदी सरकार के निशाने पर हैं अथवा सभी को अलर्ट भेजा गया था? एप्पल को इस संदर्भ में तमाम स्पष्टीकरण देने चाहिए। बहरहाल केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव की घोषणानुसार जांच शुरू कर दी गई है। एप्पल भी जांच के दायरे में होगी। एप्पल से कथित 'राज्य-प्रायोजित हमलों' पर वास्तविक और सटीक जानकारी मांगी गई है। इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (सर्ट-इन) इसकी जांच कर तह तक जाने की कोशिश करेगी। मंत्री ने इसे भारत सरकार को बदनाम करने की साजिश और भटकाने वाली विपक्ष की राजनीति करार दिया है। 'फोन में सेंधमारी' कोई नया मुद्दा नहीं है। किसी की निजता और गोपनीयता पर हमला भी नहीं है। इजरायल से खरीदे गए जासूसी सॉफ्टवेयर की चर्चा एक बार फिर मुखर हो रही है। हालांकि सर्वोच्च अदालत की निगरानी में जो जांच कराई गई थी, उसमें कुछ भी ठोस सामने नहीं आया था। तब शीर्ष अदालत ने अपने-अपने फोन सरकार में जमा कराने का विकल्प भी दिया था, ताकि भीतरी जांच हो सके कि उसकी जासूसी कराई गई अथवा नहीं। तब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी अपना फोन जमा नहीं कराया था। आज फिर पुराने, अपरिपक्व बयान दोहराए जा रहे हैं। सवाल तो यह है कि फोन हैकिंग के संदर्भ में अडाणी की भूमिका क्या हो सकती है? राहुल गांधी ने किसे 'तोता' कहा है? क्या कांग्रेस सरकारों के कार्यकालों में अडाणी व्यापार नहीं करते थे? क्या उन्हें ठेके नहीं दिए गए? देश को ऐसे सवाल कांग्रेस नेता से पूछने चाहिए। दरअसल जिनके फोन में सेंधमारी के आरोप उछले हैं, उनमें अधिकतर चेहरे राजनीतिक तौर पर अप्रासंगिक हैं अथवा आरोपित हैं।

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

गृहविभाग कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल - सुप्रिया सुले

मुंबई : राकांपा की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और सांसद सुप्रिया ताई सुले ने महाराष्ट्र के मौजूदा हालात पर सरकार पर जमकर निशाना साधा है। जालना में अमानवीय लाठीचार्ज किया गया। पुणे में भी कोयता गैंग सक्रिय है। राज्य में ड्रग माफिया का साम्राज्य है। मराठा, धनगर, लिंगायत समुदाय आरक्षण की मांग कर रहे हैं, उन्हें आरक्षण नहीं दिया जा रहा है, जिसके कारण आज महाराष्ट्र जल रहा है। ऐसे में राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा हो गया है। गृहविभाग कानून व्यवस्था बनाए रखने में विफल साबित हुआ है। इसलिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तत्काल गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस से इस्तीफा लें, ऐसी मांग सुप्रिया सुले ने की है। विधान भवन की सीढ़ियों पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की ओर से विरोध प्रदर्शन किया गया। इस विरोध प्रदर्शन में राकांपा सांसद सुप्रिया ताई सुले भी उपस्थित थीं। मराठा समुदाय को आरक्षण देने के लिए विधायकों ने तुरंत एक दिवसीय सत्र बुलाने की मांग की है। इस मांग को लेकर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) विधायक नरेंद्र दराडे, विलास पोतनीस, प्रकाश फातर्पेकर और अजय चौधरी,

राकांपा की कार्यकारी अध्यक्ष सांसद सुप्रियाताई सुले, राष्ट्रीय महासचिव विधायक जीतेंद्र आव्हाड, राज्य उपाध्यक्ष शशिकांत शिंदे और रोहित पवार ने विधान भवन की सीढ़ियों पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया।

सांसद सुप्रियाताई सुले ने कहा कि राज्य की वर्तमान स्थिति के लिए देवेंद्र फडणवीस जिम्मेदार हैं और सरकार ने आरक्षण के लिए ४० दिन का समय बताकर जरांगे पाटील के साथ धोखा किया है। सुप्रिया ताई सुले ने कहा कि नवले ब्रिज के पास आगजनी की घटना हुई है। इसके लिए मैं सभी से शांति की अपील करूंगी। राज्य में कानून व्यवस्था की विकट स्थिति उत्पन्न हो गई है। यह आज से नहीं, बल्कि जालना कांड के बाद से ही चल रहा है। जालना, बीड, ड्रग्स की घटना के बाद अब ये भी मामला सामने आया है। लेकिन यह सरकार ईडी, सीबीआई के माध्यम से पार्टियों और घरों को तोड़ने में व्यस्त है। आम लोगों के लिए इस सरकार के पास समय नहीं है। इस सब के लिए इस राज्य के गृहमंत्री पूरी तरह से जिम्मेदार हैं।

भाजपा अब शिंदे के साथ चाल चल रही है। मेरा अजीत पवार गुट से विनम्र अनुरोध है कि उन्होंने कभी न कभी एक ही थाली का खाना खाया है। आप भाजपा से संभलकर रहो, ऐसी सलाह सुप्रिया सुले ने दादा गुट को दी है। सुप्रिया सुले ने कहा कि गृहमंत्री के पास दूसरे राज्यों में जाकर प्रचार करने के लिए समय है, लेकिन राज्य की कानून व्यवस्था को संभालने के लिए समय नहीं है। जब तक गृहमंत्री इस्तीफा नहीं देंगे, तब तक राज्य की समस्याओं का हल नहीं होगा, ऐसा सुले ने कहा। मराठा आंदोलन की हिंसा पर सुप्रिया ताई सुले ने कहा कि इस मामले में भाजपा मानवता को भूलकर केवल राजनीति कर रही है।

पिछले साल ४,६१,३१२ सड़क दुर्घटनाएं, १,६८,४९१ लोगों की जान चली गई...

मुंबई : भारत में सड़क दुर्घटनाओं के आंकड़े दिन प्रतिदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। केंद्र द्वारा पिछले वर्ष २०२२ के लिए जो आंकड़े पेश किए गए हैं उनसे पता चलता है कि भारत में पिछले साल कुल ४,६१,३१२ सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं हैं। इन हादसों में १,६८,४९१ लोगों की जान चली गई, जबकि करीब ४.४५ लाख लोग घायल भी हुए हैं। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 'भारत में सड़क दुर्घटनाएं झ २०२२' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में दुर्घटनाओं की संख्या २०२१ की तुलना में लगभग १२ प्रतिशत बढ़ गई है, जबकि मरने वालों की संख्या ९.४ प्रतिशत बढ़ गई है। २०२२ में घायल होने वाले लोगों की संख्या में १५.३ प्रतिशत का इजाफा हुआ। बता दें कि मंत्रालय इस रिपोर्ट को पुलिस द्वारा साझा की गई जानकारी के आधार पर तैयार करता है। सड़कों पर तेज रफ्तार वाहन चलाने से सबसे अधिक हादसे होते हैं और इसी में सबसे अधिक लोगों की मौत होती है। वर्ष २०२२ में हुई लगभग ७५ प्रतिशत दुर्घटनाओं का कारण तेज रफ्तार में वाहन चलाना ही है। सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों के पीछे गलत साइड ड्राइविंग भी सबसे बड़े कारणों में से एक है, जिसका योगदान लगभग छह प्रतिशत है। नशे में गाड़ी चलाना और गाड़ी चलाते समय फोन का इस्तेमाल दो अन्य बड़े कारण हैं, जो भारत में चार प्रतिशत से ज्यादा सड़क दुर्घटनाओं में योगदान करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सड़क सुरक्षा मानदंडों के उल्लंघन के कारण भी पिछले साल भारत में लगभग ७०,००० लोग मारे गए। वाहन में बैठने वाले सभी लोगों के लिए सीटबेल्ट अनिवार्य होने के बावजूद, २०२२ में इसे न पहनने के कारण लगभग १७,००० लोगों की जान चली गई। यही नहीं हेलमेट न पहनने के कारण भी करीब ५०,००० से ज्यादा दोपहिया वाहन चालकों की भी मौत हो गई।

प्रॉपर्टी टैक्स में 10 प्रतिशत वृद्धि के लिए विधेयक में सुधार चाहती है मनपा...

मुंबई : महंगाई, बेरोजगारी और अन्य तमाम असुविधाओं के अभाव में जी रहे मुंबईकरों पर अब मनपा टैक्स का बोझ बढ़ानेवाली है। मुंबई में प्रॉपर्टी टैक्स में अब वृद्धि करने की तैयारी मनपा ने दर्शाई है। प्रॉपर्टी टैक्स वसूली के मूल्यांकन में कानूनी जटिलताओं का हवाला देते हुए मनपा प्रॉपर्टी टैक्स में १० प्रतिशत वृद्धि के लिए विधेयक में सुधार चाहती है। इसके लिए मनपा राज्य की सरकार को प्रस्ताव भेजेगी। सूत्रों की मानें तो आगामी शीतकालीन सत्र में यह विधेयक लाया जा सकता है। यह विधेयक पारित होने के बाद मुंबईकरों को प्रॉपर्टी टैक्स १० प्रतिशत अतिरिक्त अदा करना होगा।

मनपा प्रशासन पिछले लगभग १० सालों से मुंबई में प्रॉपर्टी टैक्स बढाने का प्रयास कर रही है, लेकिन सत्ताधारी रही शिवसेना ने मनपा में प्रॉपर्टी टैक्स वृद्धि का विरोध किया और मुंबईकरों पर यह बोझ बढ़ने नहीं दिया। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे ने मनपा के प्रॉपर्टी टैक्स का विरोध किया था। इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री रहते हुए उद्धव ठाकरे ने मुंबई में ५०० वर्गफुट तक के फ्लैट को प्रॉपर्टी टैक्स से मुक्त किया था, जिससे मुंबईकरों को खूब लाभ हुआ, लेकिन अब यह सरकार और मनपा प्रशासक मिलकर मुंबईकरों पर अतिरिक्त बोझ डालने पर जुटे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मनपा के पूर्वव्यापी टैक्स मूल्यांकन में शामिल कानूनी जटिलताओं के कारण वित्त वर्ष २०२३-२४ के लिए संपत्ति कर बिलिंग में देरी हो रही है। एक अधिकारी ने कहा कि आगे की समस्या से बचने के लिए और प्रॉपर्टी टैक्स में वृद्धि के लिए विधेयक में सुधार की आवश्यकता है। विधेयक में सुधार के लिए मनपा जल्द ही राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजेगी। मनपा ने वर्ष २०१० में प्रॉपर्टी टैक्स का सुधारित मूल्यांकन किया था और नई दर से प्रॉपर्टी टैक्स वसूली शुरू की थी, पर विरोध के बाद उसे रोक दिया गया। वर्ष २०१९ में भी बढ़ाने का प्रयास किया। मनपा ने इस दौरान बड़ी संख्या में अतिरिक्त टैक्स वसूली की थी। वर्ष २०१९ में लोग कोर्ट गए, जहां हाईकोर्ट ने मुंबईकरों के पक्ष में फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट से भी मनपा को राहत नहीं मिली थी। कोर्ट ने मनपा को प्रॉपर्टी टैक्स अधिनियम में सुधार के लिए निर्देश दिया था।

महाराष्ट्र में व्यक्ति पर बलात्कार, धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र में नवी मुंबई पुलिस ने 25 वर्षीय एक व्यक्ति के खिलाफ एक महिला से कथित तौर पर बलात्कार करने और उसे धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। व्यक्ति की महिला से एक मोबाईल चैट एप्लिकेशन पर दोस्ती हुई थी। बीड जिले के रहने वाले आरोपी नवनाथ काडे ने पनवेल निवासी 23 वर्षीय महिला का बातचीत से विश्वास जीता और फिर उससे मुलाकात की। काडे कथित तौर पर महिला को नासिक ले गया और फिर बीड में अपने घर ले जाकर उसके साथ बलात्कार किया। महिला ने दावा किया है कि काडे ने जबरदस्ती उसके साथ शादी की, उसे पीटा और दोनों की आपत्तिजनक तस्वीरों को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया। अधिकारी ने बताया कि कथित अपराध इस वर्ष जून से अगस्त के बीच हुआ। नवी मुंबई पुलिस ने बुधवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और 504 (आपराधिक धमकी) के तहत मामला दर्ज किया। अधिकारी ने बताया कि कथित अपराध बीड में हुआ था तो मामले को वहां की पेठ पुलिस को स्थानांतरित कर दिया गया है।

महाराष्ट्र बोर्ड एग्जाम की डेटशीट जारी, 10वीं के बोर्ड एग्जाम 1 मार्च से, 12वीं के 21 फरवरी से होंगे

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन (टइरलरए) ने 10वीं और 12वीं के बोर्ड एग्जाम की डेटशीट जारी कर दी है। स्टूडेंट्स टइरलरए की वेबसाइट २ट्ठ्ठ्रं१.ल्ल पर जाकर एग्जाम की डेटशीट डाउनलोड कर सकते हैं। 10वीं के बोर्ड एग्जाम 1 मार्च, 2024 से शुरू होंगे और 26 मार्च तक चलेंगे। वहीं, 12वीं के बोर्ड एग्जाम 21 फरवरी से शुरू होंगे और 19 मार्च तक चलेंगे। 10वीं के बाद मिलने वाले सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट और 12वीं के बाद मिलने वाले हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट (लरउ) के लिए 10वीं और 12वीं के लिए दो सेशन में बोर्ड एग्जाम लिए जाएंगे। मॉर्निंग शिफ्ट में सुबह 11 बजे से 2 बजे तक एग्जाम होंगे और आफ्टरनून शिफ्ट में दोपहर 3 बजे से शाम को 6 बजे तक एग्जाम लिए जाएंगे। हर साल करीब 15 लाख बच्चे 10वीं बोर्ड एग्जाम के लिए रजिस्टर करते हैं। 2023 में 15,29,096 स्टूडेंट्स ने बोर्ड एग्जाम दिया था और करीब 1434898 बच्चों ने एग्जाम पास किया था।

27 साल के शख्स ने बुजुर्ग महिला को उतारा मौत के घाट...

जलाकर बोरे में भरा, फिर खिड़की के बाहर फेंक दी लाश

मुंबई : महानगर मुंबई में एक और बुजुर्ग की खौफनाक तरीके से हत्या की दिल दहलाने वाली वारदात उजागर हुई है. यहां पुलिस ने 27 साल के एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है, जिसने 75 वर्ष की बुजुर्ग महिला को पहले लोहे की रॉड से पीट पीटकर मौत के घाट उतारा. उसके बाद सबूत नष्ट करने के लिए शव को जलाने की कोशिश की. उसे गिरफ्तार कर लिया गया है. आरोपी की पहचान मोहम्मद फैज रफीक सय्यद के रूप में हुई है. वह वडला पूर्व में बीपीटी गेट नंबर 5 का निवासी है. महिला की पहचान सुराबी हुसैन मुल्ला के तौर पर हुई है.

खौफनाक तरीके से दिया वारदात को अंजाम

रिपोर्ट के मुताबिक पकड़े गए शख्स ने पुलिस पूछताछ में खौफनाक तरीके से वारदात को अंजाम देने की कहानी सुनाई है जो रोंगटे खड़े कर देने वाला है. उसने बताया है कि मामूली बात पर हुए विवाद में उसने महिला पर पहले ताबड़ तोड़ हमले किए. उसने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर उसे मौत के घाट उतारा. मौके पर ही बुजुर्ग की मौत हो जाने के बाद उसने पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए शव को ठिकाने लगाने की साजिश रची. सबसे पहले उसने शव को आग के हवाले किया और जलाने की कोशिश की. हालांकि घर के अंदर शव पूरी तरह से जल नहीं पाया जिसके बाद झुलसी हालत में उसे बोरे में भरकर महिला के घर की ही खिड़की से बाहर फेंक दिया था.

क्या कहना है पुलिस का?

इस मामले में पूछताछ कर रहे पुलिस टीम के एक अधिकारी ने बताया है कि आरोपि ने पूछताछ में अपना गुनाह कबूल कर लिया है. उसने यह भी बताया है कि महिला से लड़ाई होने के बाद उसने उसे मौत के घाट उतारा. वारदात के पीछे कोई और इरादा है या नहीं, इस बारे में उससे पूछताछ की जा रही है. यह भी पता चला है कि सबूत नष्ट करने के लिए उसमें न केवल शव को जलाया, बल्कि वारदात के लिए इस्तेमाल होने वाले लोहे के रॉड और अन्य सामानों को भी छिपाने की कोशिश की है. उसके खिलाफ भारतीय दंड विधान की हत्या की धारा 302 और साजिश रचने की धाराओं के साथ साथ अन्य गैर जमानती धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की गई है.

हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के प्ले एरिया में गिरने से 5 वर्षीय बच्चे की मौत, पुलिस ने दर्ज किया मामला

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक 5 वर्षीय लड़का हाउसिंग सोसाइटी के परिसर में खेलते समय गिर गया, जहां वह रहता था और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि केजी का छात्र बच्चा मंगलवार को डोंबिवली में अपने आवासीय परिसर के प्ले एरिया में गया था, जबकि उसकी मां बाहर इंतजार कर रही थी। कुछ देर बाद लड़का खेल के मैदान में बेहोश होकर गिर पड़ा। मानपाड़ा पुलिस स्टेशन के अधिकारी ने कहा, उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया, अधिकारी ने कहा कि पुलिस उन दो केयर टेकर से पूछताछ कर रही है जो घटना के समय प्ले एरिया में मौजूद थे।

मुंबई-ठाणे में पानी की कटौती!

इन इलाकों में 24 घंटे तक नहीं होगी सप्लाई

मुंबई : मुंबई और ठाणे में आज पानी की कटौती होगी। जिस वजह से 24 घंटे तक हजारों घरों में पीने का पानी नहीं आएगा। अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के कुर्ला, घाटकोपर, सायन चेंबूर, माटुंगा, परेल आदि इलाकों में बीएमसी के पानी की सप्लाई बंद रहेगी। जबकि ठाणे के दिवा, मुंब्रा, कलवा, किसन नगर आदि इलाकों में शुक्रवार दोपहर तक पानी की कटौती का सामना करना पड़ेगा। बृहन्मुंबई नगर निगम मरम्मत कार्य करने के लिए आज सुबह 4 बजे (2 नवंबर) से 3 नवंबर की सुबह 4 बजे तक पानी की कटौती करेगा।

मुंबई के इन इलाकों में नहीं आएगा पानी

मुंबई के छह वार्डों में 2 नवंबर को सुबह 4 बजे से अगले 24 घंटों तक पानी की आपूर्ति पूरी तरह या आंशिक रूप से निलंबित रहेगी। ये छह वार्ड होंगे प्रभावित- एम ईस्ट (गोवंडी), एम वेस्ट (चेंबूर), एन (घाटकोपर), एल (कुर्ला), एफ साउथ (परेल) और एफ नॉर्थ (माटुंगा)। जिन क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति पूरी तरह से निलंबित रहेगी उनमें शिवाजी नगर, लल्लूभाई कंपाउंड, चेंबूर कैंप, राजावाड़ी पूर्व, विद्याविहार, एलबीएस मार्ग, नेहरू नगर, कुर्ला पूर्व, दादर पूर्व, माटुंगा पूर्व, वडाला और चूनाभट्टी शामिल हैं। जिन क्षेत्रों में आंशिक रूप से पानी की कटौती होगी उनमें केईएम, टाटा, वाडिया और एमजीएम अस्पतालों के साथ-साथ सेवरी, जेरबाई वाडिया मार्ग, हिंदमाता, लालबाग और अभ्युदय नगर शामिल हैं।

क्यों हो रही कटौती?

900 मिमी व्यास वाली पाइपलाइन को बदलने और 300 मिमी और 1800 मिमी व्यास वाले पाइपलाइन की मरम्मत के लिए पानी में कटौती की जा रही है। इससे पहले पश्चिमी उपनगरों में अंधेरी, जोगेश्वरी और गोरेगांव के कई इलाकों में 31 अक्टूबर को लगभग 15 घंटे तक पानी की कटौती हुई थी।

ठाणे के इन इलाकों में पानी बंद!

ठाणे नगर निगम (टीएमसी) ने बताया कि बारवी जल शोधन संयंत्र में बेहद जरुरी रखरखाव और मरम्मत काम के कारण ठाणे के कुछ क्षेत्रों में 24 घंटे के लिए पानी की आपूर्ति ठप रहेगी। टीएमसी के मुताबिक, गुरुवार (2 नवंबर) दोपहर 12 बजे से शुक्रवार (3 नवंबर) दोपहर 12 बजे तक पानी की सप्लाई नहीं होगी। 24 घंटे की पानी कटौती का सबसे ज्यादा प्रभाव दिवा, मुंब्रा (वार्ड नंबर 26 और 31 को छोड़कर), कलवा, रूपादेवी पाड़ा, किसन नगर नंबर-2, नेहरू नगर और कोलशेत इलाकों पर पड़ेगा। टीएमसी ने कहा कि पानी की आपूर्ति बहाल होने के बाद भी अगले एक से दो दिनों तक पानी की आपूर्ति कम दबाव पर होगी।

आज वसई दौरे पर आ रहे हैं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

वसई विरार में ट्रैफिक समस्या और कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा

वसई : केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी आज वसई दौरे पर आ रहे है। इस दौरान भाजपा वसई विरार जिला की ओर से विरार पश्चिम स्थित बालाजी बैंक्वेट हॉल मे 11 बजे जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस दौरान वसई तालुका में बढ़ती ट्रैफिक समस्या को लेकर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजन नाईक ने सेतु भारतम योजना के तहत विरार से नायगांव रेलवे स्थानकों के बीच प्रस्तावित 5 रेलवे ओवर ब्रिज और तालुका के 12 जंक्शन पर अंदाजित 395 करोड़ की लागत से 12 फ्लाई ओवर ब्रिज बनाने की मांग की गई है। उसे तत्काल मंजूर कर निधि उपलब्ध कराए जाने की विनंती की जाएगी,इसी प्रकार तालुका के अनेक प्रस्तावित और प्रलंबित विकास काम की रिंग रूट,भाईंदर व नायगांव खाड़ी पर रेलवे को समांतर एक ब्रिज,एमआरवीसी के तहत बोरीवली से विरार के बीच 5वी और 6वी रेल लाइन,विरार, नालासोपारा,वसई और नायगांव स्टेशन के बीच नए रेलवे स्टेशन,और तालुका को महामार्ग से जोड़ने वाले सभी मुख्य रास्ते का हर साल मरम्मत के लिए करोड़ों रुपये खर्च होता है, ऐसी सभी सड़कों का कंक्रीटीकरण करने के लिए 500 करोड़ की विषेश निधि। इसी प्रकार तालुका के सभी प्रलंबित और नए विकास कामों की चर्चा कर जो काम मंजूर है उसके लिए निधि और नए कामों को मंजूर कर तत्काल शुरू किया जाए ऐसी मांग भाजपा करेगी। ताकि तालुका के नागरिकों ट्रैफिक जाम से छुटकारा और लोकल में प्रवास करनेवाले यात्री सुरक्षित यात्रा कर सके।

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : शुक्रवार 03 नवंबर 2023

नवी मुंबई में अधिक रिटर्न का झांसा देकर युवक से 1.4 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी...

पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई : महाराष्ट्र में नवी मुंबई पुलिस ने 58 वर्षीय एक व्यक्ति को निवेश पर उच्च रिटर्न का वादा कर लगभग 1.4 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। नवी मुंबई पुलिस ने कहा कि आरोपी ने वाशी में रहने वाले एक शख्स को भरोसा दिलाया कि अगर वह उनके माध्यम से शेयरों में निवेश करेगा तो उसे अच्छा रिटर्न मिलेगा। पुलिस अधिकारी ने कहा, इसके बाद आरोपियों ने लिंक मुहैया कराए और इस साल जुलाई से अक्टूबर के बीच शख्स से 1.37 करोड़ रुपये का भुगतान कराया। कई बार संपर्क करने के बाद भी जब उस व्यक्ति को पैसे नहीं मिले तो उसने पुलिस से संपर्क किया। नवी मुंबई पुलिस ने बुधवार को भारतीय दंड संहिता और आईटी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। अधिकारी ने कहा कि पहली सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) में आरोपियों के नाम आर्यन भावर, आर्यन गुप्ता, एम्मा, ग्लोरिया और 'स्टॉक मार्केट एलायंस वीआईपी 991'के ग्रुप एडमिन के रूप में हैं, उन्होंने बताया कि साइबर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महाराष्ट्र के धाराशिव में ग्रामीणों ने 'जेल भरो' प्रदर्शन शुरू किया

मुंबई : महाराष्ट्र के धाराशिव जिले के कई गांवों के लोगों ने मराठा समुदाय को आरक्षण की मांग को लेकर बृहस्पतिवार को 'जेल भरो'प्रदर्शन शुरू किया। राज्य में सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर यहां आंदोलन कर रहे स्थानीय विधायक कैलास पाटील को मुंबई पुलिस ने हिरासत में ले लिया, जिसके बाद जिले में 'जेल भरो'प्रदर्शन शुरू हुआ। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए सैकड़ों मराठा कार्यकर्ता सुबह धाराशिव शहर और आनंदनगर ग्रामीण इलाके में एकत्र हुए। अधिकारियों ने बताया कि कौडगांव में पूर्वाह्न साढ़े 10 बजे से अपराह्न साढ़े 12 बजे तक करीब 100 कार्यकताओं ने 'जेल भरो'प्रदर्शन में भाग लिया, जिनमें से 42 को महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम

की धारा 68 के तहत हिरासत में लिया गया। उन्होंने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग को लेकर कार्यकर्ता मनोज जरांगे द्वारा 25 अक्टूबर से जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव में अनिश्चितकालीन अनशन फिर से शुरू किए जाने के कारण राज्य में प्रदर्शन तेज हो गया है। जरांगे ने इससे पहले अगस्त में भी इसी प्रकार प्रदर्शन किया था। जरांगे ने मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत सरकारी नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण दिए जाने की मांग को लेकर 29 अगस्त को प्रदर्शन शुरू किया था। जरांगे ने उस समय 14 सितंबर को भूख हड़ताल समाप्त करते हुए सरकार को आरक्षण लागू करने के लिए (24 अक्टूबर तक) 40 दिन का समय दिया था। राज्य सरकार ने मंगलवार को एक आदेश जारी किया था, जिसमें संबंधित अधिकारियों से मराठा समुदाय के पात्र सदस्यों को नए कुनबी जाति प्रमाणपत्र जारी करने के लिए कहा गया है ताकि उनके लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत आरक्षण का लाभ हासिल करने का मार्ग प्रशस्त हो सके। जरांगे ने इस कदम का विरोध करते हुए कहा था कि पूरे मराठा समुदाय को आरक्षण दिया जाना चाहिए।

ठाणे की चॉल में छत से भरभराकर गिरा प्लास्टर का टुकड़ा, महिला की मौत, 1 घायल

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे शहर में एक चॉल के मकान की छत से प्लास्टर का एक टुकड़ा गिरने से 33 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और एक बुजुर्ग महिला घायल हो गई। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। कलवा के सहायक नगर निगम आयुक्त सुबोध ठाणेकर ने बताया कि बुधवार और बृहस्पतिवार की मध्यरात्रि छत से कंक्रीट का टुकड़ा गिरने से चंद्रिका कुंजू गंभीर रूप से घायल हो गई। नगर निकाय अधिकारियों ने बताया कि उसे अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। ठाणे नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना के समय चंद्रिका के परिवार के चार सदस्य घर में थे।

किसानों ने धान की खरीद पर कठिनाइयों का हवाला दिया, भुजबल ने मदद का वादा किया

गोंदिया : महाराष्ट्र के गोंदिया और भंडारा जिलों में खरीफ सीजन 2023-24 के लिए सरकार द्वारा अनुमोदित केंद्रों पर कड़े नियमों और शर्तों के कारण धान की खरीद अभी शुरू नहीं हुई है। किसानों और अन्य हितधारकों ने यहां जन प्रतिनिधियों को यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण मंत्री छगन भुजबल सहित कई निर्वाचित

नेताओं के साथ बुधवार को बैठक के दौरान दोनों जिलों के किसानों ने कहा कि उनके पास न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम कीमत पर अपनी फसल बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं है क्योंकि सरकार द्वारा अनुमोदित खरीद सुविधाएं अभी भी काम नहीं कर रही हैं। सरकार की ओर से धान लेने वाली कई सहकारी समितियों के सदस्यों ने खरीद केंद्रों के लिए कड़े नियम और शर्तों का मुद्दा भी उठाया। भुजबल ने हितधारकों को सकारात्मक परिणाम का आश्वासन दिया तथा खरीद के नियमों और शर्तों में कुछ छूट देने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हुए।

लोकल ट्रेन के ब्लॉक से मेट्रो की बल्ले-बल्ले, एक दिन में रिकॉर्ड 2.84 लाख यात्रियों ने किया सफर

मुंबई: लोकल ट्रेन की वेस्टर्न लाइन पर पिछले कुछ दिनों से ब्लॉक चल रहा है। ब्लॉक के चलते रोजाना करीब 200 ट्रेनें रद्द हो रही हैं। लोकल ट्रेन के ब्लॉक ने मुंबई की नई मेट्रो लाइन की बल्ले-बल्ले कर दी है। मंगलवार को मेट्रो-7 और मेट्रो-2 ए कॉरिडोर पर एक दिन में रिकॉर्ड यात्रियों ने सफर किया है। 31 अक्टूबर को 2.84 यात्रियों ने मेट्रो से सफर किया। सामान्य तौर पर मेट्रो की इस लाइन पर रोजाना करीब 2 लाख यात्री सफर करते हैं, लेकिन रेलवे लाइन पर जारी

मरम्मत कार्य के कारण लोकल सेवा बाधित रही। ऐसे समय में मुंबई की नई मेट्रो लाइन ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता साबित कर दी है। अप्रैल 2022 में मुंबई को मेट्रो 7 और 2 ए के रूप में नई मेट्रो लाइन मिली थी। अप्रैल से अब तक इस मेट्रो रूट पर 5,84,51,496 यात्रियों ने सफर किया है। इसमें से 1,87,8,963 यात्रियों ने बीते 9 दिनों में मेट्रो से सफर किया है। मेट्रो प्रशासन के अनुसार, मंगलवार को मेट्रो के आठ स्टेशनों को सर्वाधिक यात्रियों मिले हैं। मेट्रो स्टेशनों के प्रवेश द्वार और टिकट काउंटर पर यात्रियों की लंबी कतार नजर आई है। बता दें कि मुंबई की ट्रैफिक से बचने के लिए लोग लोकल ट्रेनों से सफर करना पसंद करते हैं। वहीं, जिन स्थानों पर लोकल ट्रेन की सुविधा नहीं है, अब वहां भी मेट्रो लाइन तैयार करने का काम सरकार कर रही है।

मुंबई में 5.62 करोड़ रुपये के हीरे चोरी... 4 लोग गिरफ्तार

मुंबई : मुंबई में एक रत्न कंपनी के स्टोर से छह महीने के दौरान 5.62 करोड़ रुपये के हीरे चोरी करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें कंपनी के दो कर्मचारी शामिल हैं। बीकेसी थाने के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि जेबी एंड ब्रदर्स प्राइवेट लिमिटिड के निदेशकों में से एक संजय शाह ने पुलिस को शिकायत देकर आरोप लगाया कि कंपनी का बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के भारत डायमंड बोर्स में एक स्टोर है और वहां से 5.62 करोड़ रुपये के हीरे चोरी हो गए हैं। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने शक जताया कि कंपनी के कर्मचारी प्रशांत शाह और विशाल शाह अप्रैल से उनके स्टोर से हीरे चुरा रहे हैं जो कांदिवली के रहने वाले हैं। पुलिस ने प्राथमिकी के हवाले से बताया कि कंपनी के पूर्व कर्मचारी निलेश शाह ने चोरी के हीरे बेचने में कथित रूप से दोनों की मदद की। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 420 (धोखाधड़ी) समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

शिक्षा विभाग के सचिव- अपर सचिव के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी, बॉम्बे हाई कोर्ट का फैसला

मुंबई: बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ ने शिक्षकों के वेतन और बकाया भुगतान से संबंधित अदालत के आदेशों का पालन नहीं करने के लिए महाराष्ट्र सरकार के शिक्षा विभाग के सचिव और ऊपरी सचिव के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण और न्यायमूर्ति उर्मिला जोशी-फाल्के की खंडपीठ ने बुधवार को चित्रा मेहर की याचिका पर सुनवाई की, जिसमें उनके आदेशों का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्रवाई की मांग की गई थी। मेहर के वकील आनंद परचुरे ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा दिव्यांग बच्चों को पढ़ाने के लिए नियुक्त किए गए शिक्षकों को 'कुशल शिक्षकों'के वेतनमान के अनुसार वेतन नहीं दिया जा रहा है। 2018 में, मेहर सहित कुछ शिक्षकों ने उपरोक्त वेतनमान के अनुसार वेतन के भुगतान की मांग करते हुए एचसी का रुख किया। 2022 में, उच्च न्यायालय ने सरकार को याचिकाकताओं को 2.13 करोड़ रुपये और अन्य बकाया राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया। लेकिन कोई भुगतान नहीं किया

गया। इसलिए शिक्षकों ने पिछले साल अवमानना याचिका दायर की।

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सितंबर में कोर्ट ने शिक्षा विभाग के सचिव को एक नवंबर को उपस्थित रहने का निर्देश दिया था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए। अदालत ने कहा कि इस बात का भी कोई संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं है कि पहले के आदेशों का पालन क्यों नहीं किया गया। उपरोक्त परिस्थितियों में, हमारे पास महाराष्ट्र सरकार, स्कूल शिक्षा और खेल विभाग के सचिव रणजीत सिंह देयोल और महाराष्ट्र सरकार, स्कूल के अपर सचिव संतोष गायकवाड़ के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : शॉप नंबर ४ , मदीना मेंशन, ८९ ए, कैडल रोड, अपोजिट बिल्लाबोंग स्कूल, माहिम पश्चिम, मुंबई ४०००१६ , महाराष्ट्र मोबाइल नं 998777 5650 व्हाट्सप्प नं 7977408589: Email-editor@rokthoklekhaninews.com